किसानों की सफलता की कहानी जिला – उ0 ब0 कांकेर
वर्ष – 2017–18

योजना का नाम	**राष्ट्रीय कृषि विकास योजना**
घटक का नाम	सब्जी क्षेत्र विस्तार
हितग्राही का नाम	**श्री लोकनाथ सोनकर/मंगलूराम**
ग्राम का नाम	नान्दनमारा
विकास खण्ड का नाम	कांकेर
जिला का नाम	उ0 ब0 कांकेर
फसल का नाम	फुल गोभी, मिर्च, पत्तागोभी, करेला, बरबट्टी
रकबा हेक्टर में	1.00 हेक्टर
व्यय राशि	50000.00
शुद्ध लाभ	200000.00

विशेष टीप – पूर्व में सब्जी की खेती के सम्बंध में जानकारी नहीं होने के कारण लागत एवं आय बराबर होती थी लेकिन उद्यान विभाग के सहयोग/सलाह से हाइब्रीड बीज कर ड्रिप पद्धिती का उपयोग एवं तकनीकी मार्गदर्शन में आय में बढ़ोत्तरी हुई, कुल रकबा 1.00 हे. में सब्जी की खेती उद्यान विभाग के मार्गदर्शन में कर रहा हूॅ । जिससे शुद्ध लाभ ज्यादा प्राप्त हो रहा है एवं संपूर्ण परिवार को खेती से रोजगार प्राप्त हुआ है एवं दूसरो को रोजगार देने में सक्षम हूॅ।

किसानों की सफलता की कहानी जिला – उ0 ब0 कांकेर
वर्ष – 2017–18

योजना का नाम	राष्ट्रीय कृषि विकास योजना
घटक का नाम	सब्जी क्षेत्र विस्तार
हितग्राही का नाम	श्री सुकदेव राम/सुकुल राम पुरबिया
ग्राम का नाम	नान्दनमारा
विकास खण्ड का नाम	कांकेर
जिला का नाम	उ0 ब0 कांकेर
फसल का नाम	फुल गोभी, पत्तागोभी, मिर्च, बैगन, बरबट्‌टी, टमाटर
रकबा एकड में	4 एकड़
व्यय राशि	80000.00
शुद्ध लाभ	320000.00

विशेष टीप – मैं शिक्षित बेरोजगार होने के साथ – साथ लघू कृषक हूँ। सबसे पहले 2.50 एकड़ कृषि भूमि में धान का फसल लेता था। साथ में नदी में गर्मी के दिनों में सब्जी की खेती प्रारम्भ किया धान की खेती से सब्जी में ज्यादा लाभ दिखा। समय के साथ – साथ सब्जी की खेती करने हेतु 2.50 एकड़ खेत क्रय किया। जिसमें कुआ, मशीन, डिजल पम्प से सब्जी के काम को ज्यादा महत्व दिया। इसके बाद समय अनुसार 1993 में बोर खनन कर धान का दो फसली कृषि किया। सघन कृषि कुल रकबा 5.00 एकड़ है वर्ष 2009–10 में उद्यानिकी विभाग से जानकारी पश्चात् 4.00 एकड़ में ड्रिप सिचांई पद्धिती लगवाई एवं ड्रिप पर सब्जी की खेती प्रारंभ किया वर्तमान में कुल रकबा 5.00 एकड़ में से 4.00 एकड़ में सब्जी की खेती कर रहा हूँ। पहले सब्जी बेचने सायकल से बाजार ले जाता था। अब आटो खरीद कर आटो से सब्जी बाजार ले जाता है एवं परिवार के सभी सदस्य आपने स्वरोजगार में व्यस्त है।

पहले धान की दो फसली कास्त से एक से सवा लाख रूप्ये की आमदानी होती थी। जिसका 50 प्रतिशत धान के कास्त में व्यय होता था। एवं 55 से 60 हजार का शुद्ध लाभ होता था। किन्तु सब्जी की खेती करने पर अब 80 हजार व्यय कर 3 लाख 20 हजार शुद्ध लाभ प्राप्त कर रहा हूँ।

किसानों की सफलता की कहानी जिला – उ0 ब0 कांकेर
वर्ष – 2017–18

योजना का नाम	**राष्ट्रीय कृषि विकास योजना**
घटक का नाम	सब्जी क्षेत्र विस्तार
हितग्राही का नाम	**श्री मुकुंद मण्डल**
ग्राम का नाम	हृदयपुर
विकास खण्ड का नाम	कोयलीबेड़ा
जिला का नाम	उ0 ब0 कांकेर
फसल का नाम	फुलगोभी + टमाटर + धनिया
रकबा एकड में	0.60 हेक्टर
व्यय राशि	9500.00 + 13800.00 + 300.00 = 23600.00
कीमत	60000.00 + 80000.00 +6500.00 = 146500
शुद्ध लाभ	50500.00 + 66200.00 + 6200 = 122900.00

विशेष टीप – वर्ष 2016–17 में कुल कृषि भूमि 1.14 हेक्टर में से 0.60 हेक्टर में सूक्ष्म सिंचाई योजना अंतर्गत 60 प्रतिशत अनुदान उद्यान विभाग एवं 33 प्रतिशत अनुदान कलेक्टर मद से प्राप्त कर ड्रिप संयंत्र स्थापित कराया।

वर्षा ऋतु में बैगन की खेती किया निमेहोड के कारण लाभ नहीं मिला फिर उद्यान विभाग की सलाह पर गोभी और टमाटर की खेती 0.40 हेक्टर में किया जिसमें मुझे अक्टूबर से दिसम्बर 2017 तक गोभी + टमाटर + धनिया पत्ती से कुल 1,29,000.00 शुद्ध लाभ हुआ है।

मैं इसे पहले धान की खेती करता था जिसमें मुझे 10 से 15 हजार रूपये ही मिलते थे। अब मै और मेरा परिवार बहुत खुश है हम स्वयं कृषि कार्य करते है, अभी वर्तमान में आलू, तरोई और गोभी एवं टमाटर की फसल लगी है, अब और अधिक आमदनी होने की आशा है।

किसानों की सफलता की कहानी जिला – उ0 ब0 कांकेर

वर्ष – 2017–18

योजना का नाम	**राष्ट्रीय कृषि विकास योजना**
घटक का नाम	सब्जी क्षेत्र विस्तार
हितग्राही का नाम	**श्री रामचन्द्र राय**
ग्राम का नाम	पीव्ही 27
विकास खण्ड का नाम	कोयलीबेड़ा
जिला का नाम	उ0 ब0 कांकेर
फसल का नाम	बैंगन
रकबा एकड में	0.20 हेक्टर
व्यय राशि	12000.00
कीमत	105000.00
शुद्ध लाभ	93000.00

विशेष टीप – रबी 2017 के पूर्व में उड़द और मक्का की खेती करता था, जिसमें मुझे 8 से 10 हजार रूपये कमाता था, बोर में पानी कम था, फिर उद्यान अधीक्षक की सलाह से 0.8 हेक्टर में ड्रिप लगवाया एवं पैरा एवं सुखे पत्तो से मल्चींग कर 0.20 हेक्टर में बैंगन लगाया सितम्बर 2017 में बैगन फल देने लगा है। कम खर्च कम पानी में भी अच्छी फसल है।

अबतक खेत में 20 क्विंटल तुडाई कर चुका हॅ और प्रति सप्ताह 3 से 4 क्विंटल उत्पादन मिल रहा है। खेत में भिण्डी, तरोई लगाया हूॅ, जिसमें फरवरी में आमदनी और बढ़ जावेगी।